सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

2027 में यूपी से भाजपा की विदाई तय, कांग्रेस में अब ... पेज: 6

वो लड़की नही बनुगी जो 40 साल में ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 10 | शनिवार 11 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी, मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।

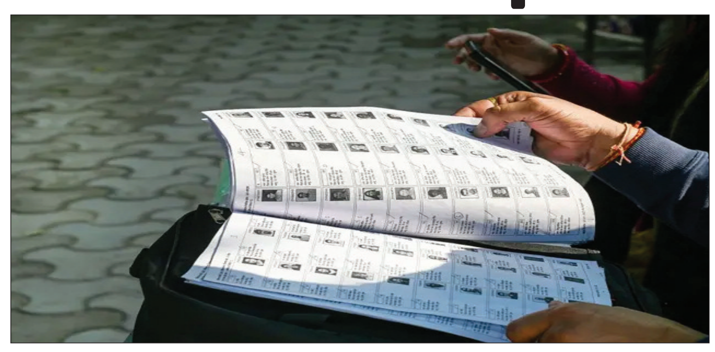

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला। साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि 166 दिनों तक चले इस अभियान को सफल बनाने में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 12,758 सहायक अधिकारियों, 18,026 बीएलओ सुपरवाइजरों और 1,77,516 बीएलओ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा 5,82,877 बूथ लेवल एजेंटों ने भी सहयोग दिया। रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल मतदाता 13,39,84,792 हैं जिसमे पुरुष मतदाता 7,30,71,061 (54.54 फीसदी) और महिला मतदाताः 6,09,09,525 (45.46 फीसदी) हैं। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित मसौदा सूची में कुल 12,55,56,025 मतदाता शामिल थे, जिनमें 6,88,43,159 पुरुष (54.83 फीसदी), 5,67,08,747 महिलाएं (45.17 फीसदी) और 4,119 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 3,33,981 रही, जबकि जेंडर रेशियो 824 दर्ज किया गया। मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर जिले आगे रहे। वहीं साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम और फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

राज्यसभा जाने पर बोले अखिलेश.... हम चाहते थे नीतीश पीएम बनकर रिटायर हों, सपा प्रमुख ने एनडीए पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन की इच्छा थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनकर राजनीति से रिटायर हों, लेकिन अब हालात कुछ और ही दिशा में जाते दिख रहे हैं। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें और उसी पद से रिटायर हों, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वे राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर होंगे।' उन्होंने इसे जनता के साथ 'बड़ा धोखा' करार दिया। गौरतलब है कि सपा प्रमुख ने इससे पहले भी अपने एक बयान में कहा था, कि उनकी पार्टी हमेशा चाहती थी कि विपक्ष का कोई मजबूत चेहरा प्रधानमंत्री बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब भी उनकी इच्छा थी कि मायावती प्रधानमंत्री बनें। उसी तरह, जब इंडिया गठबंधन का गठन हुआ तो उस समय भी कई दलों की इच्छा थी कि नीतीश कुमार इस भूमिका में सामने आएं। अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में ऐसे हालात बनाए गए हैं कि अब नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर राज्यसभा सदस्य के रूप में समाप्त होता दिख रहा है।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 में आग, समय रहते पाया काबू

-रनवे क्षेत्र से उठा धुआं तो कुछ उड़ानें अस्थायी रूप से रोकीं

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार, आग शाम करीब 6-10 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित पावर हाउस के सीलिंग लेवल तक सीमित रही, लेकिन वहां मौजूद इलेक्ट्रिक ट्रे, वायरिंग, केबल, इंस्टॉलेशन और इलेक्ट्रिक पैनल को नुकसान पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर एयरपोर्ट के सभी गेट कुछ समय के लिए बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। टर्मिनल-1 से संचालित कुछ उड़ानों को एहतियातन रोका गया, जिससे फ्लाइट संचालन प्रभावित हुआ। फिलहाल स्थिति सामान्य कर दी गई है और अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

तीन लड़कियों की मौत की वजह बनी सेल्फी... झरने के पास काई में पैर पिसलने से गहरे पानी में गिरी

अल्लूरी(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है, इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। विशाखापत्तनम के पास स्थित घटना में पिकनिक मनाने गई चार सहेलियों में से तीन की झरने के तेज बहाव में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक लड़की को लोगों की मदद से सुरक्षित बचाया गया। जानकारी के अनुसार, जंबुवलसा गांव की चार सहेलियां अपनी परीक्षाएं खत्म होने के बाद पास की पहाड़ियों में स्थित मुलागुम्मी झरने घूमने गई थीं। सभी लड़कियां खुश और उत्साहित थीं और पिकनिक का आनंद लेकर झरने के पास पहुंचीं। शुरुआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन जल्द ही यह खुशी का पल एक भयानक हादसे में बदल गई। बताया जा रहा है कि 17 वर्षीय त्रिशा, 16 वर्षीय रत्नकुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा झरने के बेहद करीब फिसलन भरी चट्टानों पर खड़ी होकर सेल्फी ले रही थीं। तभी चट्टानों पर जमी काई की वजह से संतुलन बिगड़ने के कारण तीनों लड़कियां अचानक गहरे और तेज बहाव वाले पानी में गिर गईं। चौथी सहेली ने मदद की कोशिश की, लेकिन वह खुद सुरक्षित बाहर नहीं निकल सकी। झरने के पास मौजूद लोगों ने लड़कियों की चीखें सुनकर तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई। ग्रामीणों ने साहस दिखाकर एक लड़की को किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर है। हालांकि, बाकी तीन लड़कियां तेज बहाव में बह गईं और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने पर पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की तलाश के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद किए गए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण, आधार कार्ड रखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसकी घोषणा की है। यह पंजीकरण देश भर के तय बैंक शाखाओं में होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा। अमरनाथ यात्रा की तारीख जल्द सामने आएगी। देश के कुल 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। हर बैंक शाखा को रोज एक तय संख्या दी गई है। हर रास्ते के लिए अलग कोटा होगा। 13 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण नहीं होगा। 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का भी पंजीकरण नहीं होगा। 6 हफ्ते से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का भी पंजीकरण नहीं होगा। इस बार पंजीकरण आधार से होगा। हर यात्री को बायोमैट्रिक ई-केवाईसी के बाद परमिट मिलेगा। यह प्रक्रिया एनआईसी पोर्टल पर होगी। अगर तकनीकी समस्या आई, तब मैनुअल तरीका भी अपनाया जाएगा। यात्रा के इच्छुक लोग बैंक में फोटो और डेटा लेकर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी होगा। मोदी और राज्य सरकार की कोशिश रहेगी इस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल पाए। यात्रा को आरामदायक बनाने पर जोर है। साथ में सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

आतंकी दाग से बेदाग हुए कर्नल पुरोहित बनेंगे ब्रिगेडियर, सेना ने लगाई प्रमोशन पर मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक और भावुक फैसले में कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक पर पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला कर्नल पुरोहित के लिए किसी पुनर्जन्म से कम नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक कानूनी लड़ाइयों और जेल की सलाखों के पीछे बिताए हैं। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद उनका चमकता हुआ सैन्य करियर पूरी तरह पटरी से उतर गया था।

हालांकि, लंबी कानूनी जंग के बाद अब सेना ने उन्हें उनका हक देने का फैसला किया है। कर्नल पुरोहित मूल रूप से 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उनकी किस्मत ने तब करवट ली जब सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी रिटायरमेंट पर रोक लगा दी। ट्रिब्यूनल ने माना कि पुरोहित के साथ न्याय होना बाकी है। 31 जुलाई, 2025 को मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से ससम्मान बरी कर दिया था, जिसके बाद उनके प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ सबूतों का अभाव है और अभियोजन पक्ष की कहानी विरोधाभासों से भरी थी। सेना के सूत्रों का कहना है कि यह प्रमोशन कर्नल पुरोहित के उन खोए हुए सालों की भरपाई है जो उन्होंने ट्रायल के दौरान गंवा दिए। यदि यह विवाद न होता, तो वे अब तक मेजर जनरल के पद तक पहुंच चुके होते। उनके बैच के साथी आज सेना में शीर्ष नेतृत्व संभाल रहे हैं। इस प्रमोशन के बाद अब वे ब्रिगेडियर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। एक समय में आतंकी कहे जाने वाले अधिकारी का एक सीनियर कमांडर के तौर पर वापस लौटना भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे चर्चित वापसी में से एक है।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जररुत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

आईटी कंपनी में गंदा खेल! पुलिस वेश बदलकर दबोचे यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण कराने वाले

कोलकाता (एजेंसी)। नासिक,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के भीतर चल रहे रेप, यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण के सनसनीखेज रैकेट का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सातवीं गिरफ्तारी करते हुए कंपनी की एचआर मैनेजर को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। आरोप है कि एचआर ने पीड़ित महिला कर्मचारियों की शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया और इस घिनौने खेल को फलने-फूलने का मौका दिया। यदि समय रहते एक्शन लिया गया होता, तो कई महिलाओं को इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से बचाया जा सकता था। पुलिस ने वेश बदलकर आरोपियों को दबोचा और पूरे मामले का पर्दाफाश किया।

इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रही। शिकायतें मिलने के बाद जब पुलिस को मामले की गंभीरता का अहसास हुआ, तो नासिक पुलिस ने एक गुप्त मिशन तैयार किया। सात महिला पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम ने अपनी पहचान छिपाकर और वेश बदलकर कंपनी के भीतर एंट्री ली। कई दिनों तक कर्मचारी बनकर रहने के दौरान इन महिला अधिकारियों ने संदिग्धों की अश्लील हरकतों और धर्मांतरण के दबाव को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपियों की काली करतूतों के पुख्ता सबूत मिले हैं।

अब तक इस मामले में कुल सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और मुंबई नाका पुलिस थाने में नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार एचआर मैनेजर से यह उगलवाने की कोशिश कर रही है कि इस नेक्सस के पीछे और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं। क्या यह केवल एक कंपनी तक सीमित मामला है या इसके तार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह से जुड़े हैं? इस घटना ने कॉरपोरेट जगत में महिला सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन अब जिले की अन्य कंपनियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेलंगाना की अदालत ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत के लिए उन्हें निर्धारित समय के अंदर सक्षम अदालत के पास जाना होगा। मामले में फैसला न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सुनाया, जिन्होंने एक दिन पहले कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई की थी। यह आदेश उस समय में आया है जब कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा 7 अप्रैल से जांच एजेंसियों की नजरों से दूर बताए जा रहे थे। दरअसल, असम और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर खेड़ा से पूछताछ करने उनके दिल्ली स्थिति आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में हो रही थी जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

इस बीच, कांग्रेस नेता खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताकर गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

मामले ने तूल तब पकड़ा जब खेड़ा ने प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास इसतरह के दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इस स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

हालांकि, सीएम सरमा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर पूरी तरह निराधार, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि खेड़ा जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने तंज कसते हुए कहा था कि जो व्यक्ति पहले गिरफ्तारी की चुनौती दे रहा था, वहीं अब जांच से बचने के लिए हैदराबाद चला गया है। तब सीएम हिमंता ने कहा था कि वह और उनकी पत्नी अगले 48 घंटों के भीतर खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करने वाले है।

सुनवाई के दौरान खेड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि यह मामला असम सरकार की राजनीतिक बदले की भावना का परिणाम है। हालांकि, असम सरकार के वकील जनरल देवजीत सैकिया ने इस बात से इंकार किया। वकील सैकिया ने कहा कि खेड़ा की याचिका तेलंगाना उच्च न्यायालय में सुनवाई योग्य नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता ने हैदराबाद स्थित अपना आवासीय पता प्रस्तुत किया।

सिंघवी ने तर्क दिया कि कांग्रेस नेता खेड़ा समाज में गहरी जड़ें जमा चुके हैं और एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। हम संवैधानिक मनमानी के युग में नहीं जी रहे हैं। हम इसतरह युग में नहीं जी रहे हैं जहां बंदूक निकालकर असम से 100 लोगों को निजामुद्दीन (खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए) भेजा जाए, जबकि शिकायत में मानहानि का आरोप लगाया गया है। जवाब में, सैकिया ने कहा कि असम कोई लोकतांत्रिक गणराज्य नहीं है और पूर्वोत्तर राज्य में कानून का पालन होता है।

राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर दिया अपने विरोधियों को जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है, जिससे वे यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका काम ही उनकी पहचान है।

तमिलनाडु में बड़ा उल्टफेर... एनडीए गठबंधन के समर्थन में उतरे नौ मुस्लिम संगठन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में हाल ही में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें नौ मुस्लिम संगठनों ने एआईएडीएमके (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला चेन्नई में हुई बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन, तमिलनाडु उर्दू मुस्लिम विकास संगठन सहित कई सूफी-सुन्नी मुस्लिम समूहों के प्रतिनिधि शामिल थे। इन संगठनों ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और राजनीतिक समर्थन की घोषणा की। बैठक के दौरान एआईएडीएमके नेतृत्व ने मुस्लिम प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तब राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर सूफी-सुन्नी मुसलमानों के हितों की रक्षा होगी और उनके कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मुस्लिम संगठनों ने एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का निर्णय लिया।

दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। संगठन ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मुख्य काजी की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जाहिर की है। उनका कहना है कि परंपरागत रूप से तमिलनाडु में मुख्य काजी की नियुक्ति सूफी-सुन्नी समुदाय की सहमति और परामर्श से होती रही है, लेकिन इस बार बिना समुदाय की राय लिए एक गैर-ताबी कन्नी मुस्लिम को यह पद दे दिया गया, जिससे समुदाय के एक हिस्से में असंतोष पैदा हुआ है। संगठन ने दावा किया कि तमिलनाडु में करीब 2,500 से अधिक मस्जिदें और दरगाहें हैं, जो वक्फ बोर्ड को अपने राजस्व का एक निश्चित हिस्सा दान करती हैं। इसके बावजूद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कई मुद्दे पिछले कई वर्षों से अनसुलझे पड़े हैं। कई कानूनी विवाद और याचिकाएं भी लंबित हैं, जिसके कारण मस्जिदों और दरगाहों के प्रबंधन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसी कारण समुदाय के प्रतिनिधियों ने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से हस्तक्षेप और सहयोग की अपेक्षा जताई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के रुख में बदलाव और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है।

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर, 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन... 7 घंटे का सफर 2.30 घंटे में

-100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर भी सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों के बीच सिंगल लेन सड़क पर सामने से अचानक हाथियों का झुंड आने से पीछे गाड़ियों को लंबा जाम लगाता था, कभी उफनती नदी.....तब कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा सड़क पर जमा लगा देता था। पहले ऐसा ही नजारा दिखाता था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट पर। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। लेकिन यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

अब मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर से गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड आराम से गुजर रहा है। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन मिसाल बना है। इस शानदार एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिरती थी, वहां अब नजर नहीं आती, क्योंकि उस नदी को एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है। सड़क को 35-40 फीट ऊपर, 400 से ज्यादा पिलर्स पर खड़ा किया गया है, ताकि नदी का बहाव, जानवरों के झुंड और विकास तीनों बिना रुकावट चलते रहें।

राजाजी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर बताते हैं कि 14 हजार करोड़ रुपए में बने एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। तस्वीरें इस बात का संकेत हैं कि जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं। ऊपर से भारी वाहन 80 की स्पीड में बाएं और हल्के वाहन 100 की स्पीड पर दाएं चलने वाले है।

पे-पर-यूज टोल सिस्टम, टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस शानदार एक्सप्रेसवे के बनने से सफर तेज, खर्च कम होगा। 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी। 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम होगा। इतना ही नहीं सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से पर्यटन, व्यापार को बूस्ट मिलेगा। हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं बागपत,

शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेसवे पर नए ग्रोथ हब के रुप में विकसित होने वाले है।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

विनोद कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनसंर्तुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दशार्ता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दशार्ता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (छऊऋ) और यु डी एफ (वऊऋ.)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संपादकीय

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानून के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले: जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

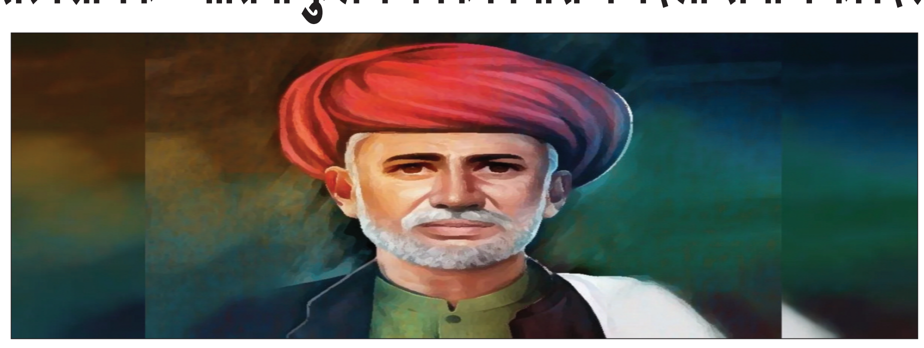

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस: हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर ह्यमिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्सह्न विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष 2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

बीडीओ ने सरकार की योजनाओं की प्रगति के लिए पंचायत सचिवों के साथ की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड हसनपुर के कार्यालय सभागार में पंचायत सचिवों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने की। इस दौरान शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना, फैमिली आईडी, मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासों की पूर्णता, मनरेगा के अपूर्ण कार्यों को समयबद्ध पूरा करने तथा राशन कार्ड धारक महिलाओं के परिवार की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा हुई। खंड विकास अधिकारी ने पंचायत सचिवों को संचारी रोग अभियान, भूसा दान गोशाला संचालन तथा ग्राम पंचायतों द्वारा स्वयं के साधनों से आय वृद्धि के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यों में तेजी लाने और लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर दिया।

इस मौके पर एपीओ हरीश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में पंचायत सचिवों ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर त्वरित समाधान के आश्वासन दिए गए। यह बैठक ग्रामीण विकास को गति प्रदान करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर के शिक्षकों ने घर-घर जाकर किया जनसंपर्क, अभिभावकों से की नामांकन की अपील

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को विकास खंड गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में शिक्षकों और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा स्कूल चलो अभियान के तहत नवीन नामांकन हेतु सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया।इस दौरान विद्यालय के स्टाफ ने गांव की गलियों और घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद स्थापित किया। शिक्षकों ने विशेष रूप से 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के उन बच्चों को चिन्हित किया, जिनका अभी तक किसी विद्यालय में नामांकन नहीं हुआ है। अभिभावकों को परिषदीय विद्यालयों में मिलने वाली सुविधाओं, जैसे निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, मिड-डे मील और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान अप्रैल माह में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत नवीन नामांकन की प्रक्रिया पूरी गति के साथ चल रही है। उन्होंने अपील की कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए सभी अभिभावक अपने बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराएं। बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा के प्रति अत्यंत गंभीर है। जनसंपर्क के इस अवसर पर वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह, सहायक अध्यापक अमित कुमार, मदनपाल,अजय सागर, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली और संतराम सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गजरौला क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट के कारण गेहूं की फसल में आग, किसान का हजारों रुपए का नुकसान

मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने बमुश्किल आग पर पाया काबू

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सलेमपुर गोसाई के जंगलों में शुक्रवार की दोपहर एक किसान के खेत में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से गेहूं की फसल में आग लग गई, इस हादसे में किसान की पूरी फसल जलकर नष्ट हो गई और किसान का हजारों रुपए का नुकसान भी हो गया। आग लगने से आसपास के खेतों में कटाई कर रहे किसानों में अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने को लेकर लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने राहत बचाव कार्य शुरू किया और किसी तरह आग पर काबू पाया लेकिन तब तक किसान की पूरी फसल जलकर नष्ट हो गई।

बता दे कि इस मामले में पीड़ित किसान त्रिलोकचंद पुत्र महिलाल निवासी ग्राम सलेमपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने अपने चार बीघा खेत में गेहूं की फसल बोई थी जिसको काटकर हमने खेत में ही इकट्ठा कर दिया था और उसके गेहूं निकलवाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन पिछले दिनों हुई बारिश के चलते हमारी फसल गीली हो गई थी जिसको हमने खेत में धूप में सूखने के लिए फैला दिया था ,उन्होंने बताया कि हम सब परिवार के लोग अपने घर पर ही थे अचानक सूचना मिली कि हमारे खेत में पड़ी फसल में आग लग गई है, पीड़ित त्रिलोकचंद ने बताया कि खेत के आसपास कटाई कर रहे किसानों ने बताया कि खेत के ऊपर गुजर रही 11000 वोल्टेज की लाइन में अचानक स्पार्किंग हुई थी और चिंगारी खेत में पड़ी गेहूं की पुलियों पर गिरी थी, जिस कारण गेहूं की फसल में भयंकर आग लग गई। आग लगते ही आसपास खेत में काम कर रहे लोगों में भगदड़ मच गई। इसी बीच सूचना पाकर दमकल विभाग की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई ,जिसने बचाव कार्य शुरू करते हुए आग को बुझाने का प्रयास किया और किसी तरह आ पर काबू पाया लेकिन तब तक किसान की सारी फसल जलकर राख बन चुकी थी। इस हादसे में किसान त्रिलोकचंद का करीब 50000 का नुकसान हुआ है।

पीड़ित किसान त्रिलोकचंद ने कहां की अब हमारे घर में खाने के लिए अनाज में नहीं बचा है और पशुओं के लिए हम चारे की व्यवस्था कहां से करेंगे हम गरीब लोग हैं हमारा खाना दाना इसी फसल से चलता है और अब हमारी यह फसल भी जलकर राख हो गई है। उन्होंने सरकार से फसल के नष्ट होने के मुआवजे की मांग की है।

गजरौला क्षेत्र में जमीन के बंटवारे को लेकर मारपीट,महिला घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में मारपीट हो गई इस मारपीट में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसने नगर कोतवाली पहुंच कर शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मोहम्मदाबाद का है जहां पर गुरुवार की शाम को जमीन के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में आपस में मारपीट हो गई। मामले की जानकारी देते हुए पीड़ित साबिर अली ने बताया कि मारपीट का यह विवाद हमारी दुकानों के बंटवारे को लेकर हुआ था। जिसमें उसके भाई साजिद पुत्र शाहिद खां एवं उसके पुत्र कैफ ने बंटवारे को लेकर उनके साथ जमकर मारपीट की ,इस मारपीट में साबिर अली की पत्नी रुकसाना गंभीर रूप से घायल हो गई। इस मामले में पीड़ित साबिर और उसकी पत्नी ने नगर कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वहीं थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR)-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक नामावलियों का हुआ अन्तिम प्रकाशन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) के अन्तर्गत जनपद की चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (यथा 39-धनौरा (अ०जा०), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर] की निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 10 अप्रैल (शुक्रवार) को किया गया है। 2-आयोग के निदेर्शानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार अन्तिम रूप से प्रकाशित की गयी विधानसभा निर्वाचक नामावलियों की हार्ड कॉपी एवं सॉफ्टकॉपी (बिना फोटो वाली मतदाता सूची की पीडीएफ) जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में शुक्रवार 10 अप्रैल को पूर्वाहन 11:00 बजे गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, अमरोहा में बैठक आहूत की गयी।

उपरोक्तानुसार आयोजित की गयी बैठक में निम्न विवरण के अनुसार मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग करते हुए अन्तिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों की हार्ड कॉपी एवं सॉफ्टकॉपी प्राप्त की गयी।

उक्त अतिरिक्त सम्पूर्ण विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम की अवधि में जनपद स्तर पर विभिन्न दिनाँकों 29 अक्टूबर, 07 नवंबर, 17 नवंबर, 21 नवंबर, 27 नवंबर, 08 दिसंबर, 12 दिसम्बर, 18 दिसंबर, 31 दिसम्बर, 02 जनवरी, 06जनवरी, 16 जनवरी, 28 जनवरी, 06 फरवरी एवं 19 फरवरी में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्री / प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित करते हुए आयोग द्वारा जारी किये गये निदेर्शों से समय-समय पर अवगत कराया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR)-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 10.04.2026 (शुक्रवार) को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के सुसंगत नियमों के अनुसार जनपद की चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 39-धनौरा (अ०जा०), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर की निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स द्वारा, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) द्वारा अपने कार्यालय (तहसील) पर प्ररूप-16 के माध्यम से, सभी पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्रों) एवं मतदेय स्थलों पर क्रमशः पदाभिहित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बी०एल०ओ०) द्वारा किया गया। 2-उक्त स्थलों पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की अन्तिम रूप से प्रकशित की गयी निर्वाचक नामावलियाँ 01 सप्ताह की अवधि के लिये जन सामान्य के निरीक्षण हेतु उपलब्ध रहेगी। कोई भी मतदाता उक्त स्थलों पर जाकर अन्तिम प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों में अपना अथवा अपने संबंधी का नाम देख सकता है। 3-नियम-22 (ग) के अनुसार अंतिम प्रकाशन हेतु तैयार निर्वाचक नामावलियाँ, जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को अन्तिम प्रकाशन दिवस को निःशुल्क दो प्रतियों (एक प्रति हार्ड एवं एक प्रति सॉफ्ट कॉपी) में उपलब्ध करायी गयी है।

उक्त के साथ ही अवगत कराना है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 की पूरी प्रक्रिया के दौरान एन०जी०एस०पी० पोर्टल प्राप्त हुई कुल 725 शिकायतों एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त हुयी कुल 05 शिकायतों का संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा शत-प्रतिशत निस्तारण समयान्तर्गत किया गया। इसी प्रकार आयोग द्वारा मतदाताओं हेतु बुक-ए-कॉल विद बी०एल०ओ० की प्रदान की गयी सुविधा के अन्तर्गत एस०आई०आर० प्रक्रिया के दौरान 4968 मतदाताओं द्वारा बुक-ए-कॉल सुविधा का लाभ प्राप्त कर बी०एल०ओ० को काल की गयी, जिसका संबंधित बी०एल०ओ० द्वारा निर्धारित समय में संबंधित मतदाताओं को कॉल का उत्तर दिया गया। शुक्रवार 10 अप्रैल को जनपद में कोई भी बुक-ए-कॉल विद बी०एल०ओ० 48 घण्टे से लम्बित नहीं हैं। जन सामान्य को यह भी सूचित किया जाता है कि 10 अप्रैल को अन्तिम रूप से प्रकाशित विधान सभा निर्वाचक नामावलियों का निरीक्षण मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की वेबसाईट www.ceouttarpradesh.nic.in एवं जनपद अमरोहा की वेबसाईट https://amroha.nic.in/deo/ पर जाकर भी किया जा सकता है।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, प्रतिनिधि भाजपा चंद्रभान सिंह, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी, प्रतिनिधि आम आदमी पार्टी मौ0 हारिस मंसूरी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धनौरा के चुचैला कलां में गाली गलौज का विरोध करने पर युवक पर हमला, पुलिस जांच में जुटी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के चुचैला कलां में गाली गलौज का विरोध करने पर दबंगों ने एक मेहमान और स्थानीय युवक पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले में जान शुरू कर दी है

बता दें कि इस मामले में जानकारी के मुताबिक जयपुर (उत्तराखंड) के मोहल्ला पट्टी चौहान निवासी जतिन जोशी अपने स्वर्गीय अमीरचंद जोशी के पुत्र है यह मंडी धनौरा के चुचैला कलां गांव में अपनी मौसी के घर मेहमान बनकर आए थे ।गांव के ही कुछ युवक बिना किसी कारण गाली गरोच कर रहे थे इस पर जब जतिन और शिवा ने उनकी गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपी भड़क गए और उन पर हमला कर दिया। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक तीन युवकों ने मिलकर जतिन पर लोहे के पंच और धारदार हथियार से हमला किया है। अचानक हुए इस हमले में जतिन को गंभीर चोटे आई और वह लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए जिन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची जिसने घटना की जांघ पड़ताल की।पुलिस ने घायल युवक को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई।

इस मामले में चौकी प्रभारी संजीव तोमर ने बताया कि मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त हो गई है घायल का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है आरोपियों को चिन्हित कर लिया गया है और आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

उपर्युक्त व्यक्ति फिट पर्सन उपर्युक्त सुविधा फिट फैसिलिटी फास्टर केयर ग्रुप फास्टर केयर के रूप में मान्यता हेतु आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किशोर न्याय (बालको की देखरेख एंव सरंक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 39,42,51,52 तथा किशोर न्याय (बालको की देखरेख एंव सरंक्षण) अधिनियम 2016 के नियम 21 क 23,27 एवं 28 के अन्तर्गत प्रत्येक जनपद में व्यक्ति (फिट पर्सन) / उपर्युक्त सुविधा (फिट फैसिलिटी) / फास्टर केयर / ग्रुप फास्टर केयर के रूप में पात्र व्यक्तियो एवं संस्थाओ की पहचान एवं अनुमोदन की अभिनव पहल शुरू की गयी है इस पहल का उद्देश्य देख-रेख एवं सरंक्षक वाले बच्चो के मुख्य रूप से अनाथ परित्यक्तय एवं अभ्यर्पित बच्चो को सुरक्षित गरिमा एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना तथा उनके पुर्नवास एवं सामाजिक पुर्नस्थापना को सुनिश्चत करना है। अधिनियम की मूल भावना के अनुरूप ऐसे उत्तरदायी एवं सक्षम व्यक्तियो को फीट पर्सन को फास्टर फैमिली के रूप में चिन्हित किया जायेगा। जो बच्चो को अस्थायी अथवा दीर्घकालीन पारिवारिक देखभाल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भावनात्मक सहयोग प्रदान कर सके। इसी प्रकार विधिवत पंजिकृत एंव आवश्यक आधारभूत सुविधाओ से युक्त फीट फैसिलिटी एंव ग्रुप फास्टर केयर के रूप में मान्यता प्रदान की जायेगी। ताकि बच्चो को सुरक्षित आवास, पोषण, चिकित्सा, परामर्श, शिक्षा, कौशल विकास एवं समूह पालन-पोषण जैसी समुचित सेवाये उपलब्ध हो सके। चयन प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया जायेगा कि सम्बन्धित व्यक्ति या संस्था का आचरण निष्कलंक हो तथा किसी भी प्रकार का अपराधिक अथवा अनैतिक कृत्य में उनकी संलिप्ता न हो। अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने इस सम्बन्ध में कहा है कि किशोर न्याय अधिनियम का मुख्य उद्देश्य की रक्षा करना है। संस्था के देखभाल के स्थान पर पारिवारिक एंव समुदाय आधारित सरंक्षण को बढावा देना समय की आवश्यकता है। उपर्युक्त व्यक्ति (फिट पर्सन) / उपर्युक्त सुविधा (फिट फैसिलिटी) / फास्टर केयर / ग्रुप फास्टर केयर की पहचान से हम यह सुनिश्चित कर सकते है कि जरूरतमन्द बच्चो को परिवार आधारित समुचित देखभाल, सुरक्षित वातावरण और सम्मान जनक जीवन का अवसर प्राप्त हो।उल्लेखनीय है कि विभाग की इस पहल के बाद अब जिला बाल सरंक्षण इकाई अमरोहा द्वारा इच्छुक एंव पात्र व्यक्तियो तथा संस्थाओ से निर्धारित प्रारूप में आवेदन निर्धारित किये गये है। जो कि विभागीय बेवसाइड-- https://mahilakalyan.up.nic.in तथा https://amroha.nic.in पर यह अपलोड है। आवेदन पत्र आवश्यक अभिलेखो सहित अवधि में कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी / जिला बाल सरंक्षण इकाई में व्यक्तिगत रूप से प्राप्त या सीधे डाक द्वारा जमा किये जा सकते है सक्षमप्राधिकारी द्वारा परीक्षण एवं सत्यापन के उपरान्त अनुमोदन प्रदान किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति द्वारा जनपद अमरोहा के अधिकारियो के साथ की गई समीक्षा बैठक

समस्त विभाग शासनादेश का शत-प्रतिशत कराये अनुपालन सुनिश्चित, नियम व प्रक्रियाओ का पूर्णतः रखा जाये ध्यानः- सभापति

अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति के सभापति अश्वनी त्यागी के सभापतित्व में जनपद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी एवं एएसपी द्वारा सभापति एवं समिति के सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर, शॉल ओढ़ाकर, एवं बुके भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक में समिति द्वारा जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल पालन, वर्ष 2024 से अब तक विधान मंडल के सदस्यों से प्राप्त पत्रों एवं विकास कार्यों से संबन्धित प्रस्तावों/मामलों, विभिन्न विभागों द्वारा जनप्रतिनिधियों के पत्राचार के निस्तारण की स्थिति, शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकाल अनुपालन, जनप्रतिनिधि रजिस्टर की उपलब्धता तथा प्रोटोकाल उल्लंघन से संबंधित मामलों तथा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं जिला स्तर पर आयोजित प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों व योजनाओं के विवरण की समीक्षा की गई तथा बैठक में प्रमुखता से वर्ष 2024 से अब तक विधान मण्डल के सदस्यों से प्राप्त पत्रों का विवरण व उन पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा गया। वर्ष 2024 से अब तक विधान मण्डल के सदस्यों से प्राप्त विकास कार्यों संबंधी प्रस्तावों का विवरण व उन पर की गई कार्रवाई का विवरण लिया गया। विकास कार्यों के शिलापट्ट संबंधी शासनादेशों का अनुपालन, विकास कार्यों की प्रगति, जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत, बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन तथा छात्रवृत्ति वितरण की भी समीक्षा की गई। समिति ने निर्देश दिए कि समस्त विभाग शासनादेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें तथा सभी कार्य नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप संपादित किए जाएं। उन्होंने कहा कि शासनादेश के अनुसार जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकाल का शत-प्रतिशत अनुपालन किया जाए। सभापति ने कहा कि विकास परियोजनाओ को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाए। सभी विकास कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हों तथा अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए किसी भी समस्या का समाधान किया जाए। विकास कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त पत्रों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभापति ने कहा कि समिति का उद्देश्य शासनादेशों के अनुरूप कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सरल बनाना है। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन बिंदुओं पर समिति द्वारा कार्यवाही अपेक्षित है, उन पर शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होने समस्त संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया गया कि समिति द्वारा जिन विभागो से आवश्यक कार्यवाही की अपेक्षा की गई है, शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराएं। बैठक में पुलिस, राजस्व, विद्युत, वन, समाज कल्याण, सहकारिता, लोक निर्माण, उच्च शिक्षा, पंचायती राज, पशुपालन एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होने समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए प्रगति के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग में नामांकन बढाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को अभियान चलाकर अधिक से अधिक बच्चों को समय से छात्रवृत्ति योजना के लाभ से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बिजनेस प्लान के तहत किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए विद्युत विभाग को शासनादेशनुसार जिला विद्युत समिति की बैठक कराने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को साइबर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी को टीम गठित करते हुए तोड़ी गई सड़कों की मरम्मत की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। आगामी वृक्षारोपण में मृदा के अनुसार फलदार और छायादार पौधरोपण करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा के तहत ब्लॉक स्पॉट और अवैध कट की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समिति के सभापति अश्विनी त्यागी ने कहा कि बैठक में समिति द्वारा उठाए गये प्रश्नों का सभी अधिकारियों ने बेहतर तरीके से उत्तर दिया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभापति को आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का गंभीरता के साथ शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में सदस्य विधान परिषद एवं समिति के सदस्य मानवेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार भारद्वाज, पवन कुमार सिंह, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अनु सचिव अरूण प्रकाश शर्मा, समीक्षा अधिकारी मयंक यादव, प्रतिवेदक आशीष सिंह, सहायक समीक्षा अधिकारी अभिनव तिवारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जाली नोटों के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, बीस हजार की फर्जी करेंसी बरामद

एटीएस व हयातनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, नेटवर्क की तलाश जारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के थाना हयातनगर क्षेत्र में एटीएस यूनिट मुरादाबाद व स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को जाली भारतीय करेंसी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से कुल 20,000 रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, निरीक्षक ललित मोहन (एटीएस यूनिट मुरादाबाद) व थाना हयातनगर पुलिस टीम द्वारा कच्चा इलाका सरायतरीन में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान कच्चे रास्ते पर आम के बाग के सामने से अभियुक्त शराफत हुसैन पुत्र शहादत हुसैन (50) को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 500 रुपये के 35 नोट, 200 रुपये के 6 नोट तथा 100 रुपये के 13 नोट, कुल 20,000 रुपये की जाली भारतीय मुद्रा बरामद हुई।

इस संबंध में थाना हयातनगर पर अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है, जिसकी विवेचना निरीक्षक अपराध सत्यविजय सिंह द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक जांच में अभियुक्त के विरुद्ध बीएनएस के तहत अपराध सिद्ध पाया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन में जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी के पर्यवेक्षण में टीम ने सफलता हासिल की।

पुलिस अब अभियुक्त से पूछताछ कर जाली नोटों के स्रोत और उसके अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

यातायात पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, हेलमेट न पहनने वालों पर सख्ती

जागरूकता के साथ दी कड़ी चेतावनी, नियमों के पालन की अपील

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर स्थित इस्लामनगर चौराहे पर यातायात पुलिस द्वारा सघन वाहन चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा यातायात क्षेत्राधिकारी व यातायात प्रभारी के नेतृत्व में संचालित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करना रहा।

अभियान के दौरान यातायात उप निरीक्षक अनीस अहमद ने पुलिस टीम के साथ मिलकर दोपहिया व स्कूली वाहनों की गहन जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों को मौके पर रोककर उन्हें हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए भविष्य में नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान कई वाहन चालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, तेज गति से बचें तथा दुपहिया वाहन पर दो से अधिक सवारी न बैठाएं। हेलमेट आपकी सुरक्षा कवच है इस संदेश के साथ लोगों को सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई, ताकि सड़क हादसों से बचा जा सके।

एस.एम. कॉलेज में प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- एस. एम. कॉलेज, चन्दौसी में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्यक्रम समिति के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के लिए प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दानवीर सिंह यादव ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें इनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों की कमी अब शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. सूरज शर्मा, संयोजक, सरकारी एवं अर्धसरकारी समिति, ने प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत बिना जमानत एवं गारंटर के शिक्षा ऋण, ब्याज अनुदान तथा पात्रता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं पोर्टल के उपयोग के बारे में भी समझाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने सवालों के माध्यम से योजना के विभिन्न पहलुओं को समझा। आयोजन के अंत में विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इस योजना का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया।

इस दौरान डॉ. एन.के. शर्मा, प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रो. राम अधार यादव, प्रो. दीप श्रीवास्तव, प्रो. पवन कुमार यादव, डॉ. विशेष कुमार पाण्डेय, डॉ. प्रदीप कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान तेज, प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए भारत सरकार की एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत 06 अप्रैल से 15 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम स्तर पर कृषि विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों द्वारा कैंप लगाकर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी सम्भल द्वारा शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई से प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन जनपद के सभी विकास खंडों में जाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करेगा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उप कृषि निदेशक तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ, उर्वरक व कृषि इनपुट की खरीद, केसीसी ऋण तथा फसल नुकसान पर मिलने वाली क्षतिपूर्ति केवल उन्हीं किसानों को प्राप्त होगी, जिन्होंने अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराई होगी। साथ ही बिना रजिस्ट्री के किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री भी नहीं कर सकेंगे। किसानों से अपील की गई है कि वे आवश्यक दस्तावेज–आधार कार्ड, खतौनी की प्रति एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर–के साथ नजदीकी जनसेवा केंद्र, कृषि कर्मियों या संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर जल्द से जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण कराएं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

सम्भल में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, 13.43 लाख हुए मतदाता

सम्भल/बहजोई (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र2026) के अंतर्गत अंतिम प्रकाशन (10 अप्रैल 2026) को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के जनपदीय प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने बताया कि अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने जानकारी दी कि अंतिम प्रकाशन के अनुसार जनपद में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 13,43,051 हो गई है। साथ ही ईपी रेशियो में सुधार होकर 48.98 तथा जेंडर रेशियो बढ़कर 820 हो गया है।

उन्होंने बताया कि अंतिम प्रकाशन के बाद भी सतत पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी रहेगी, जिसके तहत पात्र नागरिक फार्म-6, 7 एवं 8 के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया कर्मियों को बधाई दी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला शक्ति संगठन ने 63वीं जरूरतमंद कन्या की शादी में किया सहयोग, समाजसेवा की मिसाल

सम्भल (सब का सपना):- जनपद के हयातनगर क्षेत्र में महिला शक्ति संगठन लगातार समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। संगठन की संस्थापक अध्यक्ष दीपा बाष्णेय के नेतृत्व में संगठन की महिलाओं ने एक बार फिर जरूरतमंद कन्या की शादी में सहयोग कर मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की है।

जानकारी देते हुए दीपा बाष्णेय ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है और इसी सोच के साथ अब तक 63 जरूरतमंद कन्याओं की शादी में सहयोग किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि संगठन वर्ष 2013 से निरंतर समाजसेवा में सक्रिय है और जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ा रहता है।

इस अवसर पर संगठन की महिलाओं ने कन्या को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद देते हुए आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया, जो शादी के खर्च में सहायक रहेगा। कार्यक्रम के दौरान सभी महिलाओं ने नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान दीपा बाष्णेय के साथ खुशबू बाष्णेय, नीलिमा बाष्णेय, रिचा रोविन, कुसुम लता, रिचा बाष्णेय, शशिवाला, शशि गंभीर, छाया बाष्णेय, उषा आर्य, ममता सहित अन्य महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही, जिनके योगदान की सराहना की गई।

डायल 112 पुलिस ने भटके मासूम को परिजनों से मिलाया, परिजनों ने कि पुलिस की सराहना

गुन्नौर/सम्भल (सब का सपना):- तहसील के थाना जुनाबई क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक भटके हुए 2 वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया। घटना की सूचना कॉलर संजू द्वारा दी गई थी, जिसमें बताया गया कि एक छोटा बच्चा रो रहा है और घर का रास्ता भूल गया है।

सूचना मिलते ही पीआरवी टीम तत्काल ग्राम तोतापुर के पास मौके पर पहुंची और बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। बच्चे से पूछताछ करने पर वह अपने घर का पता नहीं बता सका। इसके बाद पुलिस ने कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी थानों को सूचना प्रसारित कराई और बच्चे की फोटो साझा की।

पीआरवी कर्मियों ने आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन करते हुए अंततः बच्चे के पिता सोमवीर निवासी ग्राम ऋषिपाल की मढैया को ढूंढ निकाला। उन्होंने बच्चे की पहचान लवकुश के रूप में की, जो खेलते-खेलते घर से भटक गया था।

पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसके पिता को सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया, वहीं स्थानीय लोगों ने भी यूपी-112 पुलिस की तत्परता और मानवीय कार्य की सराहना की।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बहजोई में महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

सम्भल/बहजोई (सब का सपना):- मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत थाना बहजोई क्षेत्र के काठ बाजार, कस्बा क्षेत्र एवं स्टेशन रोड पर महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनमें विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं नशा मुक्ति भारत अभियान शामिल हैं।

इसके साथ ही बालिकाओं को यातायात नियमों, साइबर अपराध से बचाव तथा आत्म सुरक्षा के उपायों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 व 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। कार्यक्रम में मिशन शक्ति एवं महिला हेल्प डेस्क के सीयूजी नंबर 7839857110 व 9454406088 भी साझा किए गए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।

इस दौरान मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक देवेन्द्र कुमार, महिला आरक्षी पिंकी, महिला आरक्षी सरिता सहित महिला सुरक्षा विशेष दल, कोतवाली बहजोई की टीम मौजूद रही।

पंकज स्मारक कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को पर्सनल सेफ्टी की दी गई जानकारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के द्वितीय चरण के अंतर्गत शुक्रवार को पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन पंकज स्मारक कन्या इंटर कॉलेज, पाठकपुर बहजोई में किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रोबेशन अधिकारी सम्भल के निदेशानुसार किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को सुरक्षित स्पर्श एवं असुरक्षित स्पर्श के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा के उपायों के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में स्वयं की सुरक्षा कर सकें।

इस दौरान सरकार द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं–सखी वन स्टॉप सेंटर योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं बाल विवाह निषेध–की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी विस्तार से बताया गया, ताकि आपातकालीन स्थिति में छात्राएं इनका उपयोग कर सकें।

इस अवसर पर बबीता रानी (केस वर्कर), पूजा सिंह (केस वर्कर), चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रज्ञा शर्मा सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को जागरूक रहते हुए अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया।

होले डिजाइन लेडीज टेलर का शुभारंभ, भाजपा नेता सय्यद शान अली ने किया उद्घाटन

रोजगार के नए अवसरों के साथ महिलाओं को मिलेंगी आधुनिक डिजाइनिंग सेवाएं

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में शमशाद मोल, डाक खाना के निकट होले डिजाइन लेडीज टेलर का उद्घाटन भाजपा नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के नामित सभासद सय्यद शान अली द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन के दौरान सय्यद शान अली ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठान क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित करते हैं और स्थानीय लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के लिए आधुनिक डिजाइनिंग व सिलाई सेवाओं की उपलब्धता को सराहनीय बताते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुणवत्ता और मेहनत के साथ कार्य करने पर यह प्रतिष्ठान निश्चित ही क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाएगा। साथ ही उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि छोटे-छोटे व्यवसाय ही भविष्य में बड़े अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम में भाजपा के निवर्तमान नगर मंडल अध्यक्ष गुलजार अंसारी, अजीम खान, मंशाद खान, शहजाद पठान, खुर्शीद खान, असद अहमद, संजू भाई, नौशाद किदवई, राजू, जावेद अली, नवाब हुसैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संचालक को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

निकाह से पहले दुल्हन के इनकार पर शादी में बवाल

बैंकट हॉल में मारपीट–पथराव, दूल्हे की कार भी क्षतिग्रस्त, कई हिरासत में

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के एक बैंकट हॉल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब निकाह से ठीक पहले दुल्हन ने शादी से साफ इनकार कर दिया। देखते ही देखते खुशी का माहौल तनाव में बदल गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट व पथराव हो गया। इस दौरान दूल्हे की कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी के अनुसार, नूरपुर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी उस्मान के पुत्र शुऐब उर्फ बब्बू की बारात बुधवार रात नहटौर-धामपुर मार्ग स्थित एक बैंकट हॉल में पहुंची थी। दुल्हन पक्ष मूल रूप से ग्राम नसीबपुर जसमौरा का निवासी बताया जा रहा है। यूसुफ की पुत्री के साथ शुऐब का निकाह तय था और सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं।

बताया जाता है कि जैसे ही निकाह की रस्में शुरू होने वाली थीं, दुल्हन ने अचानक शादी करने से मना कर दिया। इस अप्रत्याशित फैसले से मौके पर सन्नाटा छा गया और दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दौरान ईंट-पत्थर भी चले, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हंगामे के दौरान दूल्हे की कार के शीशे तोड़ दिए गए और वाहन को नुकसान पहुंचाया गया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास जारी हैं। सूत्रों के अनुसार, दूल्हा और दुल्हन आपस में रिश्तेदारी (ममेरे-फुफेरे संबंध) में बताए जा रहे हैं, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है।

प्रीपेड बिजली मीटर हटाकर पुन: पोस्टपेड व्यवस्था बहाल करने की मांग, जनता ने उठाई आवाज

बिजनौर (सब का सपना):- स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर व्यवस्था के खिलाफ विरोध तेज होता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर डी.के. फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस के पदाधिकारियों ने विद्युत विभाग के उप मंडलीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई है।

संगठन के जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि प्रीपेड मीटर प्रणाली आम उपभोक्ताओं, खासकर गरीब, मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामूली बैलेंस खत्म होते ही बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है और घरेलू कामकाज में दिक्कतें आ रही हैं।

ज्ञापन सौंपने के दौरान डा. सलाउद्दीन, मुस्तकीम अहमद, जुनैद चौधरी सहित अन्य कार्यकताओं ने इस व्यवस्था को जनविरोधी बताते हुए कहा कि इससे सामाजिक असमानता और बढ़ रही है। उनका कहना है कि जिन परिवारों की आय सीमित है, उनके लिए बार-बार रिचार्ज कराना मुश्किल हो रहा है। पदाधिकारियों ने मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रीपेड मीटर व्यवस्था को समाप्त कर पूर्व की पोस्टपेड प्रणाली को बहाल किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो आम जनता सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होगी।

पुरानी शराब की बिक्री का खेल, राजस्व को नुकसान

नए स्टॉक की जगह पुराना माल, अधिक कीमत वसूली के आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अंग्रेजी और देशी शराब की दुकानों पर बड़े खेल का मामला सामने आ रहा है। आरोप है कि एक अप्रैल के बाद भी कई दुकानों पर पुराने स्टॉक की शराब खुलेआम बेची जा रही है, जिससे न सिर्फ नियमों की अनदेखी हो रही है, बल्कि राजस्व को भी नुकसान पहुंच रहा है। जानकारी के अनुसार, रामलीला चौराहा, रोडवेज और मंडावर चौराहे स्थित शराब की दुकानों पर नए स्टॉक की जगह पुरानी बोतलें, पव्वे और हॉफ बोतलें बेची जा रही हैं। नियमों के अनुसार वित्तीय वर्ष बदलने के बाद पुराने स्टॉक को निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटाया जाना चाहिए, लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जा रहा।

रिंकू, मनोज, नौबहार, प्रीतम, बब्लू आदि स्थानीय लोगों का आरोप है कि अंग्रेजी शराब की बोतलों पर 10 रुपये और देशी शराब पर 5 रुपये तक अधिक कीमत वसूली जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

आरोप है कि आबकारी विभाग की निगरानी के बावजूद इस तरह की गतिविधियां जारी हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या यह सब विभागीय मिलीभगत से हो रहा है या निगरानी में लापरवाही बरती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शराब दुकानों की सघन जांच कराई जाए। पुराने स्टॉक की बिक्री पर तत्काल रोक लगे।अधिक कीमत वसूलने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला न सिर्फ नियमों के उल्लंघन का है, बल्कि सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने का भी गंभीर मामला बन सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई करता है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- शुक्रवार को जनपद में कांग्रेस कार्यकताओं का विरोध प्रदर्शन उस समय तेज हो गया, जब असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ पुतला दहन करने पहुंचे कार्यकताओं को पुलिस ने रोक दिया। जिलाध्यक्ष हेनरीता सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता पुतला दहन करने ही वाले थे कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पुतला कब्जे में ले लिया और कार्यक्रम को आगे बढ़ने से रोक दिया।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद माहौल गर्मा गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते स्थिति धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। हालांकि पुलिस ने संयम बरतते हुए स्थिति को नियंत्रित कर लिया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि हेमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खारगे और प्रवक्ता पवन खेरा के खिलाफ की गई टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक है, जिसके विरोध में यह प्रदर्शन किया जा रहा था।

पुलिस द्वारा पुतला दहन रोके जाने से नाराज कार्यकताओं ने मौके पर ही धरना शुरू कर दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार के बयानबाजी पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

बाइक सवार को हाइड्रा ने कुचला, मौके पर मौत, देर रात हादसा, परिवार का सहारा छिन गया

बिजनौर (सब का सपना):- अफजलगढ़ रोड पर गुरुवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। काशीपुर से लौट रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार हाइड्रा ने टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा।

जानकारी के अनुसार ग्राम अंगदपुर निवासी 25 वर्षीय राजीव कुमार, जो राज मिस्त्री का काम करते थे, गुरुवार रात काशीपुर में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह अफजलगढ़ रोड स्थित पानी की टंकी के पास पहुंचे, सामने से आ रहे हाइड्रा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को संभलने का मौका नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारु कराया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और गांव के लोग अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जा रहा है कि मृतक अविवाहित था और परिवार का सहारा भी था, जिससे घर में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार शव का परीक्षण कराया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद हाइड्रा चालक मौके से फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

विनियमन समीक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को फटकार, जनहित पर जोर

अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ह्यविनियमन समीक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभापति अश्विनी त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनपद के विकास कार्यों, लंबित प्रकरणों, जनप्रतिनिधियों के पत्राचार और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान सभापति अश्विनी त्यागी ने जिला आबकारी अधिकारी और जल निगम के अधिशासी अभियंता के बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सजग रहें और समिति के समक्ष पूछे गए प्रश्नों का सटीक व प्रमाणित उत्तर दें। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सभापति ने निर्देश दिए कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाए जाएं। साथ ही टीबी मरीजों को पोषण पोटली उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और इससे जुड़े सहयोगी संस्थानों की सूची प्रस्तुत की जाए।

बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए। लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों से स्पष्टीकरण लिया जाए, जबकि अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

सभापति ने अमानगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने और राजस्व बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को जिला विद्युत समिति की बैठक नियमित कराने और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए गए कि सभी पात्र छात्र-छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और कक्षक्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरतने पर जोर दिया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे और सभी मामलों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

सभापति ने कहा, ह्लअधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। नियमों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए समिति को आश्वस्त किया कि सभी निदेर्शों का अक्षरश: पालन किया जाएगा और निर्धारित समयसीमा में लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान विधान परिषद के सदस्य, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्पष्ट संकेत दिया गया कि शासन की प्राथमिकता जनहित और पारदर्शिता है, और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई तय है।

ज़िला कृषि औघोगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी मे हिन्द मुशायरे का शानदार कार्यक्रम रहा

बुलंदशहर (सब का सपना):- ज़िला कृषि औघोगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी बुलन्दशहर (बुलंदशहर महोत्सव 2026) में बुधवार रात्रि कुल हिन्द मुशायरे का शानदार आयोजन नदीम अख़्तर के संयोजन में सम्पन्न हुआ।

विश्वप्रसिद्ध शायर प्रो नवाज देवबंदी की सदारत और मशहूर नाज़िम लखनऊ से आये नदीम फरुख की निजामत में शायरों ने अपने एक से बढ़कर एक कलाम सुनाकर शमायीन को सुबह 4 बजे तक बांधे रखा। मुशायरे में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री जनाब दानिश आजाद अंसारी जी एवं विशिष्ट अतिथि विकास चौहान जिलाध्यक्ष बुलंदशहर भाजपा, एडीजे जनाब निशांत चौधरी जी,प्रर्दशनी समिति के उपाध्यक्ष ठा सुनील सिंह ने शमां रोशन करके मुशायरा का शुभारंभ किया।

शायर जनाब खुर्शीद हैदर ने खुदा की शान में नात एवं मोहतरमा मुमताज नसीम ने कौमी तराना से मुशायरे की शुरूआत की।

मुशायरों के दरख़्त मुशायरों की जान डॉ. नवाज देवबन्दी साहब ने अपना कलाम पेश करते हुए पढ़ा -

मेरे ख़्याल से लहजे से रोशनी फूटी चराग जेहन के अन्दर जला रहा था मैं मैं बादशाह नहीं था फक ीर था लेकिन गरीब लोगों के बच्चे पढ़ा रहा था मैं। मुंबई से तशरीफ लाये अंतराष्ट्रीय शायर महशर अफरीदी ने अपना कलाम पढ़ा कि.. लहजे में शायरी के, गजल की जबान में तुम ने तो इश्क घोल दिया मेरे कान में रहता है सिर्फ. एक ही कमरे में आदमी उसका गुरूर रहता है बाक ी मकान में मशहूर शायर अज्म शाकिरी साहेब ने पढ़ा की आ मेरी मौत मेरी जान बचा ले आकर ज़िंदगी रोज मुझे जेरो जबऱ करती है। मुजफ्फरनगर से आए शायर खुर्शीद हैदर ने सुनाया कि..

गैर परो पर उड़ सकते है हद से हद दीवारों तक, अम्बर पर तो वही उड़ेंगे जिनके अपने पर होंगे। जैसे गुजरी गुजार ली हमने फिक्र तो आने वाली नस्लों की है। अंतराष्ट्रीय शायर युवाओं कि जान जनाब अल्ताफ जिया साहेब ने सुनाया कि जला है कौन बुझा क्या मुझे नही मालूम चिराग क्या है हवा क्या मुझे नहीं मालूम वो रास्ते में मुझे छोड़ तो गया लेकिन फिर उसके बाद हुआ क्या मुझे नहीं मालूम। सहारनपुर से आये शायर जनाब बिलाल सहारनपुरी जी ने शेर सुनाया कि...कुल्हड़ में चाय पीने का ये भी है इक सबब होठों से चूम लेता हूं खाके वतन को मैं चंडीगढ़ से आये अंतराष्ट्रीय युवा शायर जनाब वरुण आनंद ने पढ़ा कि..खेल बड़ा मुश्किल था लेकिन आसानी से जीत गए चालाकी से वो हारा हम नादानी से जीत गए मुद्दत प्यासे रह कर हमने अपनी मांगें मनवाईं चाहे जान गवां दी लेकिन हम पानी से जीत गए मुशायरे के नाजिम व बेहतरीन शायर जनाब नदीम फरुख साहेब सुनाया कि.... धड़कन पर भरोसा है ना साँसों पर यकीन है सर पर है फलक इसलिए पैरों में जमीं है हम कैमरे को देख कर हो जाते है मोहतात रब देख रहा है हमें अहसास नहीं है। मेरठ के शायर फाकरी मेरठी ने शेर पढ़े कि... ये बात सच है, के आँखों में अश्क आये नहीं तो ये भी सच है, के मुद्दत से मुस्कुराये नहीं ये चाहता हूँ, के इस जिन्दगी को खत्म करूँ मैं क्या करूँ, के मेरे दोस्तों की राये नहीं अंतराष्ट्रीय शायरा मुमताज नसीम साहिबा ने पढ़ा कि.. मेरी गजल जो उसको अपने नाम से सुनाई है मेरी निगाह में हुजूर ये भी बेवफाई है। अंधेरी राह में भला में किसका हाथ थामती बोहत ही खुशनसीब हूँ तुम्हारी रहनुमाई है खूबसूरत आवाज बेहतरीन शायरी करने वाली शायरा सबा बलरामपुरी साहिबा ने सुनाया कि...

वही आज कह रहा है कि दुआ में याद रखना

जो ये कह रहा था कल तक कि कोई खुदा नहीं है।

मध्यप्रदेश से आयीं शायरा खुशबू श्रीवास्तव साहिबा ने शेर पढ़े कि..

किसी से मदद मांगू ये हरगिज हो नहीं सकता सहारो में खुदा तेरा सहारा चाहिए मुझको उसके छूने से ही जख्मों को शिफा मिलती है ऐसी खूबी किसी मरहम में भी पाई न गई लखनऊ से तशरीफ लाये शायर शाहबाज तालिब ने शेर पढ़े कि ये दवा लिखी है मेरी बेजारी की इश्क ही आखिरी खुराक है बीमारी की।

जनाब माज सरहदी साहेब ने कलाम सुनाया कि.. उसकी निगाह में मिरी चाहत बदल गई,राहत बदल गई ओ मोहब्बत बदल गई आतिश से खेलने का मुझे शौक था बहुत,इक बार दिल जला तो ये आदत बदल गई हास्य के शायर कलीम समर साहेब सुनाया कि.. मेरा दिल मेरी जान है उर्दू मुझ से पूछो महान है उर्दू शेर सुन कर लिपट गई बेगम कितनी मीठी जबान है उर्दू लखनऊ से आये नौजवान शायर दर्द फैज खान ने सुनाया कि.. इतना कम फिक्र का मे'यार नहीं करना था फन का सौदा सर ए बाजार नहीं करना था देर रात तक चले इस मुशायरे में सभी शायरों ने अपने चुनिंदा कलामो से कार्यक्रम को उचाईयों तक पहुंचाया।

सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों के शोषण का आरोप

भारतीय किसान यूनियन मंच ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी बुलन्दशहर एवं उप श्रम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र में संचालित कारखानों में मजदूरों के कथित शोषण तथा नई श्रम संहिता को लागू कराने की मांग की।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव मास्टर मनमिंदर भाटी ने बताया कि लगभग 1400 एकड़ में फैले सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल, पेंट, पाउडर और रबर जैसी रेड व ऑरेंज श्रेणी की फैक्ट्रियां संचालित हैं, जहां काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य पर विशेष जोखिम बना रहता है। उन्होंने कहा कि इन उद्योगों में बड़ी संख्या में पुरुष और महिला मजदूर कार्यरत हैं।

युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चिंकू यादव ने आरोप लगाया कि कई फैक्ट्रियों में मजदूरों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है और उनसे 12 से 15 घंटे तक काम लिया जाता है, जबकि ओवरटाइम का भुगतान भी नहीं किया जाता। प्रदेश प्रभारी विक्रांत भाटी ने कहा कि मजदूरों को साप्ताहिक अवकाश तक नहीं मिल रहा है और महिला मजदूरों को मात्र 6 से 7 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है, जो समान कार्य के लिए असमान वेतन का उदाहरण है।मेरठ मंडल अध्यक्ष अमित प्रधान ने बताया कि कई कारखानों में मजदूरों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, विश्राम स्थल, स्वच्छ पेयजल और कैंटीन जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं, जबकि यह सुविधाएं श्रम कानूनों के अनुसार अनिवार्य हैं।जिलाध्यक्ष अन्नू सरपंच ने कहा कि अप्रैल से लागू नई श्रम संहिता के अनुसार मजदूरों का शोषण नहीं किया जा सकता तथा न्यूनतम वेतन, कार्य के निर्धारित घंटे, ओवरटाइम भुगतान और नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य है।

कृष्ण भड़ाना ने कहा कि श्रम संहिता के तहत मजदूरों को साप्ताहिक अवकाश और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। वहीं अक्षय मुखिया ने बताया कि कई मजदूरों ने शिकायत की है कि कार्य के दौरान घायल होने पर उनके उपचार की भी उचित व्यवस्था नहीं की जाती।

संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों में नई श्रम संहिता को तत्काल प्रभाव से लागू कराया जाए तथा मजदूरों को सभी कानूनी सुविधाएं दिलाई जाएं। साथ ही औद्योगिक इकाइयों से होने वाले वायु एवं जल प्रदूषण की भी जांच कर कार्रवाई की जाए।भारतीय किसान यूनियन मंच ने चेतावनी दी है कि यदि मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन को धरना-प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।इस दौरान अजब सिंह भाटी, अरव यादव, सचिन भाटी, पुष्पेंद्र यादव, शैफ प्रधान, गौरव यादव, नितिश यादव, सागर यादव, प्रवीण भाटी, गणपत शर्मा, प्रभु चौधरी, अमित कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा निर्वाचन नामावलियों का अंतिम प्रकाशन, राजनीतिक दलों को सौंपी गई प्रतियां

डीएम की अध्यक्षता में बैठक, पारदर्शिता और शुद्धता पर दिया गया जोर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आज अंतिम प्रकाशन कर दिया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्रुति ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से नामावलियों का गहन परीक्षण कराया गया है। अंतिम प्रकाशन के उपरांत प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली की एक-एक प्रति हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी के रूप में उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति सामने आती है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत ठीक कराया जा सकता है। सभी दलों से अपील की गई कि वे अपने स्तर पर भी नामावली का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव दें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ हो सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अभिषेक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचायत मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण 17 से 21 अप्रैल तक

बुलन्दशहर जिला निर्वाचन अधिकारी श्रुति ने दिये निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय), बुलंदशहर द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह कार्रवाई राज्य निर्वाचन आयोग की 10 अप्रैल 2026 की संशोधित अधिसूचना के तहत की जा रही है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 17 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 तक मतदाता सूचियों का कम्प्यूटीकरण, मतदान केंद्रों का क्रमांकन, वार्ड मैपिंग, मतदाता क्रमांकन एवं फोटोयुक्त सूची तैयार करने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 22 अप्रैल 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रुति ने निर्देश दिए हैं कि पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय समाचार पत्रों एवं कार्यालयों के सूचना पट्टों पर किया जाए। साथ ही, इस अवधि में पड़ने वाले सभी सार्वजनिक अवकाशों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे और तय समय सीमा में कार्य पूर्ण किया जाएगा।

भाजपा बुलंदशहर के 9 मंडलों की नई कार्यकारिणी घोषित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी ने जनपद के 9 मंडलों की नई कार्यकारिणी की घोषणा संगठन पर्व के अंतर्गत की। यह घोषणा जिला प्रवासी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी एवं जिलाध्यक्ष विकास चौहान के नेतृत्व में की गई।

घोषित मंडलों में शहीदे आजम भगत सिंह काले आम, अगौता, सिकंदराबाद नगर, बिलसुरी, गुलावठी ग्रामीण, दानपुर, सलेमपुर, खुर्जा और मुंडा खेड़ा मंडल शामिल हैं।

नेताओं ने बताया कि कार्यकारिणी में सभी वर्गों के कर्मठ, समर्पित और योग्य कार्यकताओं को स्थान दिया गया है।

2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं, महिलाओं और अनुभवी कार्यकताओं का संतुलित समावेश किया गया है।

इस मौके पर जिला पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

बुलंदशहर: लेखपालों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू, अधिकारियों पर अभद्र व्यवहार का आरोप

बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपर उपजिलाधिकारी अंगद यादव और तहसीलदार पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

लेखपालों का कहना है कि अधिकारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार का आरोप , जिससे पूरे राजस्व विभाग में रोष व्याप्त है।

धरने का नेतृत्व संघ के अध्यक्ष अनुज शर्मा कर रहे हैं। उनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीर सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष नीलकमल भारद्वाज, उप सचिव शुभम पंवार, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार और लेखा निरीक्षक विकल कुमार सहित बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे।संघ पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। लेखपालों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक धरना जारी रहेगा। धरना शुरू होने से राजस्व कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सपनों की उड़ान का दर्दनाक अंत: नौकरी के लिए रूस गए 18 वर्षीय देव की मौत, कर्ज लेकर भेजा था विदेश

करनाल: विदेशों में सुनहरे भविष्य की तलाश में जाने वाले भारतीय युवाओं के लिए रूस से एक और बुरी खबर आई है। बसंत विहार निवासी 18 वर्षीय देव पुंडीर की रूस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मात्र 20 दिन पहले घर से निकले जवान बेटे की मौत की खबर ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। देव की मां कांता, जो सिलाई का काम कर घर का गुजारा चलाती हैं, ने रुंधे गले से बताया कि उन्होंने 5 लाख रुपये खर्च करके अपने बेटे को टूरिस्ट वीजा पर रूस भेजा था। देव 16 मार्च को घर से रवाना हुआ था ताकि वहां जाकर नौकरी कर सके और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सके। परिजनों के अनुसार, शनिवार दिन तक देव से उनकी बात हुई थी और सब कुछ सामान्य लग रहा था। लेकिन शनिवार रात देव के एक दोस्त के पास व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया, जिसमें देव की फोटो थी और बताया गया कि उसकी मौत हो गई है। जब परिवार ने देव से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका फोन नहीं लगा। मौत की वजह अब भी रहस्य स्वजन का कहना है कि उन्हें केवल इतनी सूचना मिली है कि उनका बेटा 'गिर गया' है, लेकिन वह कहां से गिरा, कैसे गिरा और उसके साथ असल में क्या हुआ, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। परिवार अब सरकार और दूतावास से गुहार लगा रहा है कि देव के साथ हुई घटना की पूरी सच्चाई सामने लाई जाए और उसके पार्थिव शरीर को वतन वापस लाने में मदद की जाए।

हरियाणा में घर खरीदना पड़ेगा महंगा, कई शहरों में बढ़े फ्लैट के रेट...लोगों की जेब पर पड़ेगा बोझ

चंडीगढ़: हरियाणा के शहरों में अब लोगों को अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं में फ्लैट लेने के लिए अधिक कीमत देनी होगी। प्रदेश सरकार ने अफोर्डेबल हाउसिंग पालिसी में बदलाव करते हुए फ्लैट्स की दरों में 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है।

नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने कीमतों में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी कर दी हैं। नई दरें तुरंत प्रभाव से लागू होंगी। गुरुग्राम में फ्लैट्स की अधिकतम आवंटन दर 5000 रुपये से बढ़ाकर 5575 रुपये प्रति वर्ग फीट कर दी गई गई है। बालकनी के लिए अलग से 1300 रुपये प्रति वर्ग फीट (अधिकतम 1.30 लाख रुपये) तक अतिरिक्त राशि देनी होगी। यह नियम सभी शहरों में समान रूप से लागू रहेगा। फरीदाबाद और सोहना में पहले 5000 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर थी, जिसे अब 5450 रुपये प्रति वर्ग फुट कर दिया गया है। है। पंचकूला और अन्य हाई व मीडियम पोटेंशियल टाउन में दरें 4500 से बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति वर्ग फीट और लो-पोटेंशियल टाउन में दरें 3800 से बढ़ाकर 4250 रुपये प्रति वर्ग फीट तय की गई हैं। जिन परियोजनाओं में अभी तक आवंटन नहीं हुआ है, वहां नई दरें सीधे लागू होंगी।

हालांकि जिन प्रोजेक्ट्स में पहले ही आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं।

कार पार्किंग हुई अनिवार्य पार्किंग नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब प्रत्येक फ्लैट के लिए एक अनिवार्य कार पार्किंग सुनिश्चित करनी होगी, जिसकी लागत फ्लैट कीमत का 10 प्रतिशत तक हो सकती है। इस बदलाव का उद्देश्य परियोजनाओं में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्कर और सुविधा सुनिश्चित करना बताया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस संशोधन के बाद बिल्डर फिर से अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में रुचि दिखाएंगे और नए प्रोजेक्ट्स लांच होंगे।

बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, 18 बीघा विकसित अवैध कॉलोनियां ध्वस्त।

बुलन्दशहर (सब का सपना):- खुर्जा विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए विकास क्षेत्र जोन-सिकन्द्राबाद में बड़ी कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की टीम ने ग्राम बंचावली क्षेत्र में करीब 18 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मवीर, नरेश चौधरी व अन्य द्वारा चोला चौकी से आगे बुलंदशहर-जेवर मार्ग पर लगभग 10 बीघा तथा प्रवीन प्रधान द्वारा झाझर रोड स्थित कोल्ड स्टोर के पास करीब 8 बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण ने इन दोनों स्थानों पर बुलडोजर चलाकर निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई मजिस्ट्रेट, स्थानीय पुलिस बल और होमगार्ड्स की मौजूदगी में की गई। मौके पर प्राधिकरण के सहायक अभियंता, अवर अभियंता और अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहे। यह अभियान प्राधिकरण की उपाध्यक्ष डॉ. अंकुर लाठर के निर्देशन में चलाया गया।

प्राधिकरण की ओर से आम जनता से अपील की गई है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के कोई भी निर्माण न करें और अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें। साथ ही बताया गया कि स्वीकृत कॉलोनियों की सूची प्राधिकरण की वेबसाइट www.bkdaup.comपर उपलब्ध है तथा किसी भी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 8191978666 पर संपर्क किया जा सकता है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भाजपा का ग्राम व बस्ती चलो अभियान, चौपाल में गिनाई सरकार की उपलब्धियां

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम व बस्ती चलो अभियान के तहत गुलावठी नगर में संजीव गोयल के आवास पर चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी साझा कर लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजीव सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र तेवतिया, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शोभा आनंद, मंडल महामंत्री अनुराग तोमर सहित सुनील गोयल, शरद गर्ग, हैप्पी वर्मा, दीपक गोयल, हिमांशु गोयल, आशु राणा, रितिक राजा, अनुज तेवतिया, विकास चौधरी, आकाश चौधरी, शिवम सैनी, मोनू चौधरी, उमा चौधरी, मीनू कंसल, प्रभात, विशाल चौहान, प्रशांत कंसल, विशाल अग्रवाल और हनी तायल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नगरवासी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से काले आम तक किया जाएगा प्रदर्शन

बुलंदशहर (सब का सपना):- सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के विरोध में शिक्षक /शिक्षिकाएं अनेक जनपदों में कर रहे लगातार विरोध प्रदर्शन,शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता खत्म करने की रख रहे मांग। शिवचरण इंटर बुलंदशहर में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ जनपद बुलंदशहर के बैनर तले शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,जिसमें देश/प्रदेश संगठन के निर्देश अनुसार टेट (T.E.T) अनिवार्यता के विरोध में दिनांक 13 अप्रैल 2026 को विशाल मशाल जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में शिक्षक संगठन एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ,उत्तर प्रदेशीय जूनियर शिक्षक संघ,अटैवा,टी.एस.सी.टी,एससी/एसटी शिक्षक महासंघ,अंतर्जनपदीय शिक्षक संघ,विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के भाग लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से काला आम तक मसाल जुलूस 2:30 बजे प्रारंभ होगा।

जिसमें सुरेंद्र यादव,देवेंद्र कुमार शर्मा,अरुण राठी,कौशल किशोर,पंकज गुप्ता,राजन खान,मवासी सिंह,राजपाल सिंह,बृजेश कुमार,जितेंद्र गौतम,देवपाल आदि शामिल रहे।

2027 में यूपी से भाजपा की विदाई तय, कांग्रेस में अब संगठन सर्वोपरि:- प्रदीप नरवाल

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में उमड़ा सैलाब, भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प

खुर्जा/ बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा नगर में शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक और कार्यकताओं से संवाद कार्यक्रम में जिलेभर के नेताओं और कार्यकताओं का हुजूम मुंडाखेड़ा चौराहा स्थित अमर मैरिज होम में उमड़ पड़ा। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कार्यकताओं ने यूपी से भाजपा को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, यूपी के सहप्रभारी प्रदीप नरवाल ने सभी ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों से संवाद कर संगठन की स्थिति का जायजा लिया। प्रदीप नरवाल ने कहा कि कांग्रेस ही देश में आमजन की लड़ाई लड़ रही है। नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ही मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एकजुट होकर संघर्ष करने की जरूरत है । उन्होंने कहा कि अब संगठन ही सर्वोपरि है, जो संगठन के लिए कार्य करेगा नेतृत्व उसे हर जगह मौका देगा। उन्होंने कहा कि यूपी में हत्या, लूट, बलात्कार आम हैं, योगी सरकार में गुंडाराज है।

राष्ट्रीय सचिव विदित चौधरी ने कहा कि बुलंदशहर में कांग्रेस के संगठन को मजबूती मिली है जिसके लिए जियाउर्रहमान बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही कांग्रेस की रीढ़ है, बुलंदशहर में जहां भी अन्याय और अत्याचार होगा वहां कांग्रेस के कार्यकर्ता दमदारी से आवाज उठाएं । उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बुलंदशहर में कार्यकताओं के सम्मान के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि जिले में जहां भी आम आदमी के साथ अन्याय होगा वहां कांग्रेस खड़ी मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश के साथ साथ बुलंदशहर में भी भाजपा का विकल्प सिर्फ कांग्रेस है।

इससे पहले वन्देमातरम से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । अतिथियों का कांग्रेस नेता भजन लाल विमल, अमित जाटव, चंद्रपाल एडवोकेट, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र महावर, ब्लॉक अध्यक्ष फिरोज खान, अब्दुल करीम और डॉ सईद ने पॉटरी नगरी के फ्लॉवर पॉट और प्रतीक चिन्ह भेंट किए । इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान, सुभाष गांधी, नरेंद्र त्यागी, राजकुमार पंडित, पुरुषोत्तम नागर, प्रशांत बाल्मिकी, भजनलाल विमल, अमित जाटव, चंद्रपाल एडवोकेट, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र महावर, ब्लॉक अध्यक्ष फिरोज खान, अब्दुल करीम, शिवकुमार शर्मा, डॉ इरफान, नईम मंसूरी, डॉ सईद, नवाब खान, अजय छोकर, ऋषि गौतम, उम्मेद सूर्यवंशी, मुन्नीलाल, नवीन अंबेडकर, शकील अहमद, कृष्ण मोहन सिंह, साजिद गाजी, दिनेश शर्मा, राजकुमार बघेल, देशदीपक भारद्वाज, सैय्यद अमान, मुनेंद्र जाटव, विकास शर्मा, नितिन शर्मा, राजपाल चौधरी, रिक्की सिरोही, मौ फाजिल, सगीर अहमद, नरेश बाल्मिकी, शोएब खान, इशू शर्मा, पूजा शर्मा, अनुपम भारद्वाज, नईम मेंबर, इसराइल गहलोत, सादिक सैफी, निजाम मलिक, तनुभव त्यागी, गुरबचन सिंह , युधिष्ठिर शर्मा, पवन कुमार, विपुल कौशिक आदि मौजूद रहे ।

भाखड़ा नहर में फेंकी पत्नी चमत्कारिक रूप से बची, पति गिरफ्तार, हैरान करने वाला है मामला

फतेहगढ़ : सरहिंद थाने की पुलिस ने बलविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है, जिसने अपनी पत्नी परविंदर कौर का गला घोंटकर उसे जान से मारने की नीयत से फ्लोटिंग होटल के पास भाखड़ा नहर में फेंक दिया था। गनीमत रही कि नहर में गिरने के बाद जब महिला को होश आया तो गांव सौंढा हेड के पास नहर की पटरी पर घूम रहे लोगों ने उसकी चीखें सुनकर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पीड़िता का अभी सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में इलाज चल रहा है। एएसआई जसमेर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता परविंदर कौर ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि उसकी शादी बलविंदर सिंह से हुई थी और किसी वजह से उसका बलविंदर सिंह से झगड़ा हो गया था, जिसके बाद उसका बलविंदर सिंह से सुलह हो गई और उसने उसे गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में माथा टेकने को कहा, लेकिन बाद में फ्लोटिंग होटल के पास भाखड़ा नहर की पटरी की तरफ मोड़ दिया। वहां बलविंदर ने उसे मरा हुआ समझकर नहर में धक्का दे दिया। नहर में तैरते हुए जब परविंदर को होश आया तो वह चीखी चिल्लाई। गांव सौंढा हेड के पास मौजूद लोगों ने उसे बचाया और एम्बुलेंस से अस्पताल ले गए।

एएसआई ने बताया कि पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और जांच कर रही है।

ब्रोकोली में पाए जाते है औषधीय गुण

आप जानते है ब्रोकोली एक प्रमुख सब्जी है, जो की गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत आती हैं। ब्रोकोली दिखने में फूलगोभी की तरह ही दिखाई देती है लेकिन इसमें पोष्टिकता फूलगोभी से ज्यादा होती है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलत : सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकोली को हरी गोभी भी कहा जाता हे ब्रोकोली में गोभी से अधिक भाव और अधिक फूल प्राप्त होते हे गोभी के पौधे पर एक ही फूल प्राप्त होता हे लेकिन ब्रोकोली के एक ही पौधे से 4 से 5 फूल प्राप्त होते हैं। भारत में इसकी खेती ज्यादातर उत्तर भारत में की जाती है।

ब्रोकोली में पाए जाने वाले औषधीय गुण

ब्रोकोली हरी सब्जी के रूप में लोहा, प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, क्रोमियम, विटामिन ए और सी पाया जाता है, जो सब्जी को पौष्टिक बनाता है। इसके अलावा इसमें फाइटोकेमिकल्स और एंटी-ऑक्सीडेंट भी होता है, जो बीमारी और बॉडी इंफेक्शन से लडऩे में सहायक होता है। ब्रोकोली विटामिन सी से भरी हुई है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह कई बीमारियों से बचाने के साथ ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के भी खतरे को कम करती है।

बुवाई का समय

ब्रोकोली की खेती के लिए नर्सरी तैयार करने का समय अक्टूबर का दूसरा पखवाड़ा होता है, पर्वतीय क्षेत्रों में क्रम उंचाई वाले क्षेत्रों में सितम्बर-अक्टूम्बर, मध्यम उंचाई वाले क्षेत्रों में अगस्त, सितम्बर, और अधिक़ उंचाई वाले क्षेत्रों में मार्च-अप्रैल में तैयार की जाती हैं।

दुरी

बीज को पंक्तियों में 4-5 से.मी. की दूरी पर बोना चाहिए।

गहराई

बीजों की 2.5 से.मी. की गहराई पर बुवाई करना चाहिए।

बुवाई का तरीका

ब्रोकोली की बुवाई बीजों द्वारा नर्सरी में इसकी पौध प्रो-ट्रे और क्यारियों में तैयार की जाती है, और उसके बाद खेत में रोपण किया जाता है। नर्सरी की तैयारी में इस बात का ध्यान रखें की नर्सरी जमीन से 15 सेमी. ऊंची हुई हो।

बीज की मात्रा

ब्रोकोली की नर्सरी में बुवाई के लिए 400-500 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर (8-10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

बीज उपचार

ब्रोकोली की पौध तैयार करने के दौरान बीज को उपचारित कर नर्सरी में लगाना चाहिए। बीज को उपचारित करने के लिए थीरम या कैप्टन दवा की उचित मात्रा का इस्तेमाल करना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है 7 अच्छी उपज के लिए खेत तैयार करते समय प्रति हैक्टेयर 15-20 टन गोबर / कम्पोस्ट खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ब्रोकोली के पौधों को पानी की सामान्य जरूरत होती है। लेकिन पौध को खेत में लगाने के तुरंत बाद उनकी सिंचाई कर देनी चाहिए। उसके बाद इसके पौधों को आवश्यकता के आधार पर 10 से 15 दिन के अंतराल में पानी देते रहना चाहिए। इसके पौधे को पककर तैयार होने के लिए लगभग 5 से 6 सिंचाई की ही जरूरत होती है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली की फसल की कटाई के लिए पौधरोपण के 65-70 दिन बाद तैयार हो जाते हैं, ब्रोकली का फूल जब गठा हुआ, हरा व उचित आकार का हो तभी डंठल सहित तोडऩा चाहिये। तुड़ाई करने में विलम्ब होने से शीर्ष (फूल) में पीलापन तथा स्वाद में विपरीत प्रभाव पड़ता है।

भंडारण

ब्रोकोली को तुड़ाई के बाद बाजार में बिकने तक उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है। अन्यथा ब्रोकली खराब होने लगती है। इसके लिये या तो ब्रोकली को बर्फ के साथ पैकिंग करें या ठंडे कमरे में रखें अथवा ठंडे पानी का छिड़काव करें। उचित रखरखाव करें इसमें ब्रोकली खराब नहीं होगी तथा बाजार पहुंचने तक ताजी एवं गुणकारी रहेगी।

उत्पादन

ब्रोकोली की उन्नत तरीके से खेती करके अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। ब्रोकोली की साधारण किस्मों से 75 से 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्मों से 120 से 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है बैंगन की फसल

भारत में विभिन्न प्रकार की सब्जियों को उगाया हैं, जिनमें एक बैंगन हैं। बैंगन भारत में ही पैदा हुआ और आज आलू के बाद दूसरी सबसे अधिक खपत वाली सब्जी है। भारत चीन के बाद दूसरा सबसे अधिक बैंगन उगाने वाला देश है। यह देश में 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है। हमारे देश के अलावा भी यह अन्य कई देशों की प्रमुख सब्जी की फसल है। बैंगन में विटामिन ए तथा बी के अलावा कैल्शियम, फ़ॉस्फ़रस और लोहे जैसे खनीज भी होते है। बैंगन की खेती पुरे वर्ष की जा सकती है, बैंगन की फसल बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है। इसके सख्त होने के कारण इसे शुष्क या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी उगाया जा सकता हैं। भारत देश में बैंगन उगाने वाले मुख्य राज्य मध्यप्रदेश, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, महांराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान हैं।

बुवाई का समय

बैंगन की खेती के लिए बैंगन की बुवाई पुरे वर्ष भर में किसी भी समय की जा सकती हैं।

वर्षाकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय फरवरी से मार्च और मुख्य खेत में रोपाई का समय मार्च से अप्रेल उचित है।

शरदकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय जून से जुलाई और मुख्य खेत में रोपाई का समय जुलाई से अगस्त उचित है।

बसंतकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय दिसम्बर और मुख्य खेत में रोपाई का समय दिसम्बर से जनवरी उचित है।

दूरी

लाईन से लाईन की दूरी 60 से 70 सेंटीमीटर और लाईन में पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर रखें।

गहराई

नर्सरी में बीज की बुवाई 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करें।

बुवाई का तरीका

बैंगन की खेती के लिए पौधरोपण हेतु बीजों द्वारा नर्सरी तैयार की जाती हैं।

नर्सरी तैयार करने का तरीका

एक हैक्टेयर की पौध तैयार करने के लिये एक मीटर चौडी और तीन मीटर लम्बी करीब 15 से 20 क्यारियों की आवश्यकता होती है। बीज की 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर, 3 से 5 सेन्टीमीटर के अन्तर पर कतारों में बुवाई करें और बुवाई के बाद गोबर की बारीक खाद की एक सेन्टीमीटर मोटी परत से ढक दें तथा फव्वारें से सिंचाई करें।

बीज की मात्रा

एक हैक्टेयर में पौध रोपाई के लिये 500-750 ग्राम बीज और हाइब्रिड बीज की मात्रा 250 ग्राम/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है।

बीज का उपचार

नर्सरी में बीज बुवाई से पहले बीजों को थीरम 3 ग्राम या कार्बेनडाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचार करें।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

बैंगन की खेती में मिट्टी की जांच के अनुसार खाद और उर्वरक डालनी चाहिए। अगर मिट्टी की जांच नहीं हो पाती है तो खेत तैयार करने समय 20-30 टन/हेक्टेयर गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। इसके बाद प्रति हेक्टेयर में 200 किलो ग्राम यूरिया, 370 किलो ग्राम सुपर फॉस्फेट और 100 किलो ग्राम पोटेशियम सल्फेट का इस्तेमाल करना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

बैंगन के पौधों की अच्छी बढ़वार लिए सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती हैं, पौधरोपण के तुरंत बाद सिंचाई करना चाहिए। गर्मी के मौसम में हर 3-4 दिन बाद पानी देना चाहिए और सर्दियों में 12 से 15 के अंतराल में पानी देना चाहिए। कोहरे वाले दिनों में फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी बनाए रखें और लगातार पानी लगाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बैंगन की फसल में पानी खड़ा न हो, क्योंकि बैंगन की फसल खड़े पानी को सहन नहीं कर सकती है। उत्तम सिंचाई के लिए ड्रीप सिंचाई पद्धति का प्रयोग करें।

फसल की कटाई

खेत में बैंगन की पैदावार होने पर फलों की तुड़ाई पकने से पहले करनी चाहिए। तुड़ाई के समय रंग और आकार का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बैंगन का मंडी में अच्छा रेट मिले इसके लिए फल का चिकना और आकर्षक रंग का होना चाहिए।

भंडारण

बैंगन को लंबे समय के लिए भंडारण नहीं किया जा सकता है। बैंगन को आम कमरे के सामान्य तापमान में भी ज्यादा देर नहीं रख सकते हैं क्योंकि ऐसा करने से इसकी नमी खत्म हो जाती है। हालांकि बैंगन को 2 से 3 सप्ताह के लिए 10-11 डिग्री सेल्सियस तापमान और 92 प्रतिशत नमी में रखा जा सकता है। किसान भाई बैंगन को कटाई के बाद इसे सुपर, फैंसी और व्यापारिक आकार के हिसाब से छांट लें और पैकिंग के लिए, बोरियों या टोकरियों का प्रयोग करें।

उत्पादन

बैंगन की खेती में उत्पादन मौसम, विविधता से विविधता और स्थान से स्थान तक भिन्न होती है। तथापि, सामान्य तौर पर बैंगन के स्वस्थ फलों की 250 से 500 क्विंटल/हेक्टेयर प्राप्त की जा सकती हैं।

बहुत ही गुणकारी है टिंडे

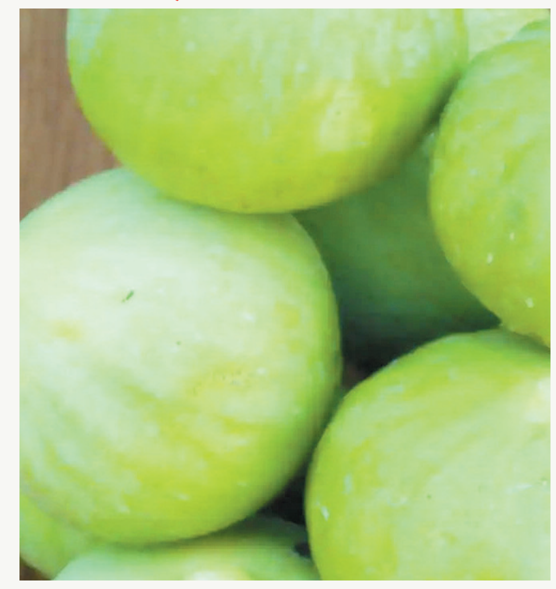

टिंडा कुकरबिटेसी कुल परिवार की यह सब्ज़ी बहुत ही गुणकारी है। टिंडे को गोल तरबूज, गोल लौकी भी कहा जाता है7 यह उत्तरी भारत की सबसे महत्तवपूर्ण गर्मियों की सब्जी है। टिंडे का मूल स्थान भारत है। इसके कच्चे फल सब्जी बनाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। इसके फल की औषधीय विशेषताएं भी हैं, सूखी खांसी और रक्त संचार सुधारने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। टिंडे की खेती उत्तरी भारत में, विशेषकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और आन्ध्रप्रदेश में की जाती है।

बुवाई का समय

टिंडे की बुवाई का समय फरवरी-मार्च जायद के लिए और खरीफ की फसल के लिए जून-जुलाई में भी बोया जा सकता है।

दुरी

बीजों को क्यारियों के दोनों तरफ बोयें और 45 से.मी. दुरी का प्रयोग करें।

बीज की गहराई

बीजों को 2-3 से.मी. की गहराई में बोयें।

बुवाई का तरीका

बीजों को सीधे या समतल क्यारियों (मेड़) पर बोया जा सकता है।

बीज की मात्रा

टिंडे की एक हेक्टेयर फसल की बुवाई के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीज उपचार

रोग नियंत्रण के लिए बीजों को बोने से पूर्व बाविस्टीन या मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करके बोना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

खेत तैयारी के समय कार्बनिक खाद के रूप में गोबर की खाद 20-25 टन प्रति हेक्टेयर व 100 किलो ग्राम नाइट्रोजन, 50 किलो ग्राम फ़ोस्फोरस व 50 किलो ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। सम्पूर्ण गोबर की खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को अंतिम जुताई के समय खेत में मिला देना चाहिए तथा शेष 2/3 नाइट्रोजन की मात्रा को दो बराबर भागों में बांटकर टापड्रेसिंग के रूप में प्रथम बार बुवाई के 25 से 30 दिन बाद तथा 40 से 45 दिन पर फूल आने के समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए समय-समय पर आवश्यकतना अनुसार निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ग्रीष्म कालीन फसल की प्रति सप्ताह सिंचाई करें वर्षा कालीन फसल की सिंचाई वर्षा पर निर्भर रहती है 7 फूल एवं फलन के समय खेत में उचित नमी जरूरी है। वर्षाकालीन मौसम में जल निकास की उचित व्यवस्था आवश्यक है।

फसल की कटाई

किस्म के आधार पर बुवाई के 60 दिनों में फल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। जब फल पक जाएं और मध्यम आकार के हो जायें तब तुड़ाई कर लें। 4-5 दिनों के फासले पर तुड़ाई करें।

उत्पादन

टिंडे की फसल का उत्पादन बीजों की गुणवत्ता, बुवाई का समय, भूमि की क़िस्म, जलवायु व ताप आदि पर निर्भर होता है, टिंडे की फसल से अनुकूल परिस्थितियों में फसल से प्रति हेक्टेयर 80 से 120 क्विंटल पैदावार मिल जाती है।

भंडारण

फल की तुड़ाई के बाद आवश्यकतानुसार फलों को किसी छायादार स्थान पर 2 से 3 दिन तक किसी टोकरी में रखकर भंडारित कर सकते हैं। इस दौरान फलों पर बीच-बीच में पानी का छिड़काव करना जरूरी होता है।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

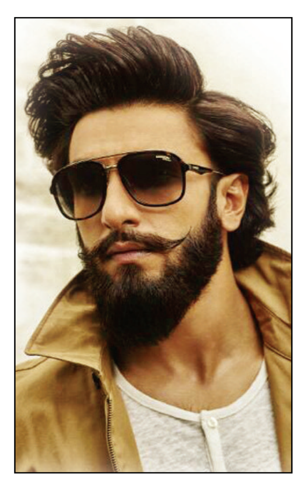

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

'धुरंधरः द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधरः द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधरः द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, ह्ष्ब क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम ', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।